हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 165 देहरादून, मंगलवार, 20 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मोबाइल स्टोरेज यूनिट स्थापित करने वाला पहला राज्य बना उत्तराखंड

3

मुख्यमंत्री ने 9 नगर निकायों को बांटे अटल निर्मल पुरस्कार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले निर्मल नगरों को अटल निर्मल नगर पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश के 9 निकायों को अटल निर्मल पुरस्कार एवं राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत 05 निकायों को स्वच्छ गौरव सम्मान प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान दून कैंट स्वच्छता चौपाल का लोगो लाँच भी किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर चार घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि अटल निर्मल नगर पुरस्कार की धनराशि 1 करोड़ रूपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रूपये की जायेगी, कैंट बोर्ड को भी इसमें सम्मिलित करने के लिए जो प्राविधान होंगे, उसके अनुसार किया जायेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लाभार्थियों को भी आवास बन जाने के बाद सामान के लिए 5-5 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। केदारनाथ, बद्रीनाथ एवं गंगोत्री में यात्राकाल के दौरान कार्य करने वाले पर्यावरण मित्रों को भोजन एवं गरम वर्दी के लिए अतिरिक्त मानदेय दिया जायेगा। केन्द्रीयत सेवा के कर्मचारियों के पेंशन देयकों के भुगतान हेतु राज्य वित्त आयोग से 1 प्रतिशत की धनराशि उपलब्ध कराई जायेगी। मुख्यमंत्री ने अटल निर्मल नगर पुरस्कार के लिए चयनित नगर निगम, नगर पालिका व नगर पंचायत के प्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण

2022 में बेहतर प्रदर्शन कर इन निकायों ने राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान पाकर हमारे प्रदेश का नाम रोशन किया है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर वर्ष 2022-23 के लिए 9 निकायों का चयन होना उत्तराखंड के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निकाय प्रदेश के दर्पण हैं। हम अपने निकायों में कैसे और बेहतर कार्य कर सकते हैं, इस दिशा में निरन्तर प्रयासों की जरूरत है। 2025 तक उत्तराखण्ड को अग्रणी राज्य बनाने में निकायों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उत्तराखण्ड का समग्र विकास सभी प्रदेशवासियों की सामुहिक जिम्मेदारी है, इसमें सबको अपना योगदान देना है।

शहरी विकास मंत्री प्रेम चन्द अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए निकायों द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है। बड़े मंच पर पुरस्कार मिलने से गौरव की अनुभूति होती है। इससे अन्य निकायों को भी अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरणा मिलती है। राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर कुल 06 पुरस्कार मिले यह एक बड़ी उपलब्धि है। अटल निर्मल नगर पुरस्कार 2022-23 हेतु निकायों का श्रेणीवार चयन स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में किए गये प्रदर्शन के आधार पर किया गया। जिसमें नगर निगम देहरादून को प्रथम, नगर निगम रूड़की को द्वितीय एवं नगर निगम ऋषिकेश को तृतीय पुरस्कार मिला। इन नगर निगमों को क्रमशः 20 लाख, 15 लाख एवं 10 लाख रूपये की धनराशि प्रदान की गई। नगर पालिकाओं में नगर पालिका मुनिकीरेती को प्रथम, नगर पालिका नरेन्द्रनगर को द्वितीय एवं डोईवाला को तृतीय पुरस्कार मिला। इन नगर पालिकाओं को क्रमशः 15 लाख, 10 लाख एवं 08 लाख रूपये की धनराशि प्रदान की गई। नगर पंचायतों में नगर पंचायत नन्दप्रयाग को प्रथम, नगर पंचायत सुल्तानपुर को द्वितीय एवं नगर पंचायत गूलरभोज को तृतीय पुरस्कार मिला। इन नगर पंचायतों को क्रमशः 10 लाख, 07 लाख एवं 05 लाख रूपये की धनराशि प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्वच्छ सर्वेक्षण -2022 में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत 05 निकायों को स्वच्छता गौरव सम्मान प्रदान किया। जिसमें नगर निगम हरिद्वार को राष्ट्रीय स्तर पर एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले गंगा शहरों में प्रथम स्थान, छावनी परिषद् लण्ढौर को छावनी परिषद् श्रेणी में अधिकतम सिटीजन फीडबैक हेतु प्रथम स्थान, नगर पालिका परिषद् रामनगर को नॉर्थ जोन के 50 हजार से 01 लाख जनसंख्या वाले शहरों में फास्टेस्ट मूवर सिटी पुरस्कार, नगर पालिका परिषद् डोईवाला को नॉर्थ जोन के 15 हजार से कम जनसंख्या वाले शहरों में फास्टेस्ट मूवर सिटी पुरस्कार एवं नगर पालिका परिषद् नरेन्द्र नगर को नॉर्थ जोन के 15 हजार से कम जनसंख्या वाले शहरों में बेस्ट सस्टेनेबल सिटी पुरस्कार प्रदान किया गया।

महाराज को कामयाबी, जल्द अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का स्वप्न होगा साकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून/नई दिल्ली , 20 दिसम्बर , प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, लघु सिंचाई, ग्रामीण निर्माण, पंचायती राज, जलागम प्रबंधन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने केन्द्रीय नागर विमानन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से शिष्टाचार भेंट करने के साथ-साथ उन्हे उत्तराखण्ड में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के आवश्यकता के विषय में अवगत कराया।प्रदेश के पर्यटन , संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने केन्द्रीय नागर विमानन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से उनके कार्यालय में पहुंचकर शिष्टाचार भेंट की।

उन्होने उत्तराखण्ड में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के आवश्यकता के विषय में केंद्रीय मंत्री से चर्चा करने के साथ-साथ फ्लाइटों में यात्रियों को स्थानीय व्यंजन परोसे जाने का भी अनुरोध किया।वरिष्ठ मंत्री महाराज ने बातचीत के दौरान केन्द्रीय नागर विमानन एवं इस्पात मंत्री से कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड उत्तर भारत में पर्यटन, योग एवं आस्था का प्रमुख केन्द्र है।

हिन्दुओं की आस्था के प्रतीक चारधाम बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री यहीं स्थित हैं। हरे भरे और घने जंगल इसे नेशनल पार्क और वाइल्डलाइफ अभ्यारणों के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं। राज्य के आध्यात्मिक, ऐतिहासिक एवं सामरिक महत्व को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की नितान्त आवश्यकता

■ अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को लेकर महाराज की केंद्रीय मंत्री सिंधिया से भेंट

है।पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को अवगत कराया कि उत्तराखण्ड में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट स्थापित किए जाने हेतु एक स्थान पर 1200 हेक्टेयर और दूसरे स्थान पर 1100 हेक्टेयर भूमि का चयन किया गया है। इस पर केंद्रीय मंत्री ने सतपाल महाराज को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट स्थापित करने के संबंध में पूरी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि आप प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करें।

इस कार्य में उनका पूरा सहयोग प्रदेश को मिलेगा।इस मौके पर रीवा रियासत के महाराज पुष्पराज सिंह ने भी उनसे भेंट कर विभिन्न प्रदेशों जैसे उत्तराखंड और मध्य प्रदेश स्थित बिंद के स्थानीय व्यंजनों को स्थानीय फ्लाइटों में यात्रियों को परोसने जाने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने सी.एम. हेल्पलाइन 1905 की समीक्षा में दिए निर्देश

अब 15 दिन के अंतराल में आयोजित होगी ऐसी बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसम्बर ,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सीएम हेल्पलाइन 1905 पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का निर्धारित अवधि में निस्तारण के निर्देश दिये हैं। यह पोर्टल औपचारिक नहीं बल्कि जन समस्याओं के समाधान का कारगर माध्यम बने, सभी विभागीय अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने प्रत्येक 15 दिन में हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाली शिकायतों की शासन स्तर पर समीक्षा करने के भी निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री प्रति सप्ताह सभी जनपदों के कुछ शिकायतकर्ताओं से भी वार्ता कर शिकायतों के क्रियान्वयन का फीडबैक लेंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय स्थित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में सीएम हेल्पलाइन 1905 में प्राप्त शिकायतों एवं उनके निस्तारण की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी के साथ सभी प्रमुख सचिव, सचिव, विभागाध्यक्ष एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलाधिकारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सचिव शैलेश बगोली एवं अपर सचिव जगदीश काण्डपाल द्वारा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से इससे सम्बन्धित व्यवस्थाओं एवं प्रक्रियाओं की जानकारी प्रस्तुत की गई।मुख्यमंत्री ने कहा कि

सीएम हेल्पलाइन 1905 आम जन की सुविधा तथा जरूरतमंद लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिये बनाया गया है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि हमारा उद्देश्य है। लोगों की संतुष्टि के लिये यदि इसमें कुछ सुधार की जरूरत हो तो वह भी की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने बैठक में ऊधमसिंह नगर के शिकायतकर्ता सुनील तथा रूद्रप्रयाग के वीरेन्द्र सिंह से वार्ता कर जानकारी भी प्राप्त की यही नहीं मुख्यमंत्री ने हेल्पलाइन 1905 पर फोन कर कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं को भी परखा। उन्होंने इस व्यवस्था से जुड़े कार्मिकों को भी और अधिक प्रशिक्षित किये जाने की भी जरूरत बतायी।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही समस्या का समाधान माना जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि आगामी 10 दिनों में लम्बित समस्याओं के समाधान का प्रयास किये जाएं। उन्होंने यह

■ मुख्यमंत्री ने शिकायतकर्ताओं एवं हेल्पलाइन 1905 पर स्वयं वार्ता कर परखी व्यवस्थायें

■ मुख्यमंत्री प्रति सप्ताह सभी जनपदों के कुछ शिकायतकर्ताओं से करेंगे दूरभाष पर वार्ता।

व्यवस्था बनाने को भी कहा कि शिकायतकर्ता को उनकी शिकायतों पर की गई कार्यवाही की भी जानकारी समय पर उन्हें उपलब्ध करायी जाय।उन्होंने कहा कि इस योजना की जानकारी अधिक से अधिक लोगों को हो यह भी देखा जाना चाहिए। उन्होंने जन समस्याओं का समाधान ई ऑफिस के माध्यम से किये जाने की भी बात कही।

मुख्यमंत्री ने सभी सचिवों, विभागाध्यक्षों एवं जिलाधिकारियों से भी नियमित रूप से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा तथा शिकायतकर्ताओं से संवाद करने को कहा। इससे लोगों में शिकायतों के प्रति संतुष्टि का स्तर बढ़ेगा तथा उन्हें तथ्यों की सही जानकारी भी प्राप्त होगी।मुख्यमंत्री ने इस प्रक्रिया के तहत बेहतर तथा औसत कार्य करने वाले विभागों के चिन्हीकरण के भी निर्देश दिये ताकि इस दिशा में किये जा रहे प्रयासों की वस्तुस्थिति भी सामने आ सके।

देवभूमि : देवताओं का न्यायालय 'महासू देवता मंदिर', मिलता है इंसाफ़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , देवभूमि उत्तराखंड के कण कण में देवताओं का वास है। पहाड़ों में मंदिर , शिवालय और मठ की लम्बी श्रंखला है। ऐसी ही एक प्रसिद्ध देवता है जिन्हे चार देवताओं का समूह माना जाता है। गढ़वाल मंडल के उत्तरकाशी के हनोल क्षेत्र में टौंस नदी के तट पर महासू देवता का है। दरअसल महासू देवता एक नहीं चार देवताओं का सामूहिक नाम है और स्थानीय भाषा में महासू शब्द महाशिव का ही पर्याय है। चारों महासू भाइयों के नाम बासिक महासू, पबासिक महासू, बूठिया महासू (बौठा महासू) और चालदा महासू हैं। ये सभी भगवान शिव के ही रूप हैं।महासू देवता की पूजा केवल उत्तराखंड में ही नहीं होती, बल्कि हिमाचल प्रदेश के कई क्षेत्रों में इनकी अत्यधिक मान्यता है और जब उत्तरकाशी के महासू देवता मंदिर में मेला लगता है तो उसमें उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश से बड़ी तादाद में श्रद्धालु भाग लेने आते हैं। महासू देवता की पूजा के लिए उत्तराखंड के उत्तरकाशी, जौनसार-बावर क्षेत्र, रंवाई के साथ हिमाचल प्रदेश के शिमला सिरमौर, सोलन, बिशैहर और जुब्बल तक से श्रद्धालु आते हैं। महासू न्याय के देवता माने जाते हैं और उनके मंदिर को न्यायालय के तौर पर माना जाता है।

दूरदराज से लोग महासू देवता के मंदिर में न्याय की याचना करते हैं और महासू उनके साथ न्याय कर उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं। महासू देवता के उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में कई मंदिर हैं जिनमें अलग-अलग रूपों की अलग-अलग स्थानों पर पूजा होती है। टौंस नदी के बाएं तट पर बावर क्षेत्र में हनोल में मंदिर में बूठिया महासू (बौठा महासू) तथा मैंद्रथ नामक स्थान पर बासिक महासू की पूजा होती है।पबासिक महासू की पूजा टौंस नदी के दायें तट पर बंगाण क्षेत्र में स्थित ठडियार, जिले उत्तरकाशी नामक स्थान पर होती है। जौनसार बावर क्षेत्र चकराता के रहने वाले सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के

उपनिदेशक केएस चौहान का कहना है कि महासू देवता मंदिर उत्तराखंड की प्रकृति की गोद में बसा एक पौराणिक व प्रसिद्ध मंदिर हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अनुसार महासू मंदिर हनोल में 9वीं से 10वीं शताब्दी का बताया गया है।

उत्तरकाशी के हनोल में टोंस के किनारे स्थित महासू देवताओं का मुख्य मंदिर है और इस मंदिर में मुख्य रूप से बूठिया महासू (बौठा महासू) तथा मैन्द्रथ नामक स्थान पर बासिक महासू की पूजा होती है। पबासिक महासू की पूजा टौंस नदी के दाएं तट पर बंगाण क्षेत्र में स्थित जनपद उत्तरकाशी के ग्राम ठडियार नामक स्थान पर होती है। सबसे छोटे भाई चालदा महासू भ्रमण प्रिय देवता है।

मंदिर के पुजारी हेतु कठोर नियम होते हैं जिनका पुजारी को पालन करना होता है। पूजन काल में पुजारी सिर्फ एक समय भोजन करता है। बूठिया महासू के हनोल मन्दिर में निनुस, पुट्टाड़ और चातरा गांव के पुजारी पूजा करते हैं। जबकि मैंद्रथ स्थित बासिक महासू के मंदिर में निनुस, बागी और मैंद्रथ गांव के पुजारी पूजा करते हैं। दोनों मंदिरों में प्रत्येक गांव के पुजारी बारी बारी से एक-एक महीने तक पूजा करते हैं और इस अवधि में होना पूजन के सभी नियमों का श्रद्धापूर्वक

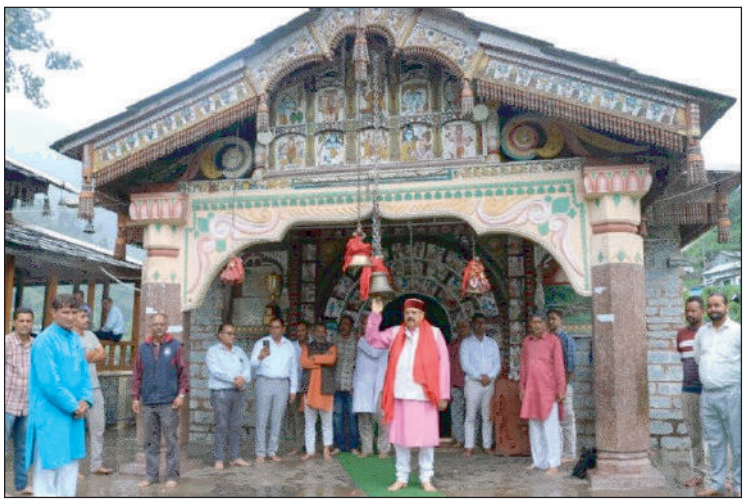

पालन करना पड़ता है। टौंस नदी के दाएं तट पर उत्तरकाशी जिले के बंगाण क्षेत्र में ठडियार क्षेत्र में स्थित पबासिक महासू के मंदिर में केवल डगलू गांव के पुजारी पूजा करते हैं।

हनोल मंदिर तीन कक्षों में बना हुआ है। मंदिर में प्रवेश करते ही पहला कक्ष (मंडप) एक आयताकार हाल है जिसमें बैठकर बाजगी पारंपरिक नौबत बजाते हैं। क्योंकि मंदिर के मुख्य मंडप में महिलाओं का प्रवेश वर्जित है। महिलाएं इसी कक्ष में बैठकर महासू देवता के दर्शन, पूजा-अर्चना करती है और यही प्रसाद लेती हैं। इस कक्ष की आंतरिक दीवार पर एक छोटा सा द्वार है जिससे केवल पुरुष श्रद्धालु ही मुख्य मंडप में प्रवेश कर सकते हैं। मुख्य मंडप एक बड़ा वर्गाकार कमरा है जिसमें बाई तरफ चारों महासुओं के चारों वीर कफला वीर (बासिक महासू), गुडारु वीर (पबासिक महासू), कैलू वीर (बूठिया महासू) तथा शैडकुडिया वीर (चालदा महासू) के चार छोटे छोटे पौराणिक मंदिर स्थित हैं। इसी कक्ष में मंदिर के पुजारी तथा तथा अन्य भक्त बैठते हैं, जहां पर महासू देवता अवतरित होकर भक्तों की समस्याओं का निपटारा करते। मंदिर के इसी कक्ष में गर्भगृह के लिए छोटा सा दरवाजा है जिसके अंदर केवल पुजारी ही प्रवेश कर सकते हैं। गर्भगृह के अंदर भगवान शिव के प्रतिरूप महासू देवता की मूर्ति स्थापित है। गर्भगृह में स्वच्छ जल की एक अविरल धारा बहती रहती है। मंदिर में आए भक्तों को यह जल प्रसाद के रूप में दिया जाता है।

इस गर्भगृह में एक दिव्य ज्योत अखंड रूप से जलती रहती है।मुख्य मंदिर अर्थात गर्भगृह पूर्णतया पौराणिक है तथा पुरातत्व विभाग के अनुसार इसका छत्र नागरशैली का बना हुआ है। इस मंदिर की निर्माण शैली इसे उत्तराखंड के अन्य मंदिरों से भिन्न तथा विशिष्ट स्थान प्रदान करती है क्योंकि इसके सभी लकड़ी और धातु से निर्मित छतरियों से बने हुए हैं। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के इतिहासकार प्रोफेसर देवेंद्र गुप्ता के अनुसार वास्तुकला की दृष्टि से महासू देवता के मंदिर का निर्माण नौवीं शताब्दी के आस-पास का है। यह मंदिर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की साझा संस्कृति का प्रतीक है।

बर्फ़बारी का मज़ा लेना है तो पहुंचिए औली की वादियों में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 दिसंबर , इस राज्य को जितना दिल से कुडतर ने संवारा है शायद वो खूबसूरती कहीं और आपको नहीं मिलेगी। यही वजह है कि देश भर से पर्यटक इसी देवभूमी को निहारने सर्दियों में पहुँचते हैं। ऐसे में बात अगर सर्दियों के सीजन की करें तो नये साल (new year 2023) पर बर्फबारी देखने का एहसास ही कुछ और है। भारत के 'मिनी स्विट्जरलैंड' औली की सैर इस ट्रिप को और भी रोमांचक बना देती है। इस हिल स्टेशन को घूमने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी पर्यटक आते हैं. साल 2023 के पहले महीने में आप यहां ताजा बर्फबारी का लुत्फ उठा सकते हैं और बर्फ से ढके पहाड़ों को निहार सकते हैं.यहां की खूबसूरती टूरिस्टों को मंत्रमुग्ध कर देती है. आप नये साल (Happy New Year 2023) पर स्विट्जरलैंड नहीं जा सकते, तो औली दिल्ली-एनसीआर से ज्यादा दूर नहीं है और आपके लिए एकदम परफेक्ट डेस्टिनेशन है. यहां की खूबसूरती के आगे स्विट्जरलैंड भी फेल है. एक बार यहां की सैर करके तो देखिये. उत्तराखंड में स्थित उत्तराखंड (Auli Hill station uttarakhand) समुद्र तल से 3,056 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है.यह हिल स्टेशन बद्रीनाथ के रास्ते में स्थित है. यहां एशिया की सबसे लंबी केबल कार है जो कि 4 किमी लंबी है. इस केबल कार में बैठकर पर्यटक औली के अद्भुत प्राकृतिक

दृश्यों का आनंद लेते हैं और बर्फ से ढकी चोटियों के दृश्य देखते हैं. देवदार और चीड़ के वृक्ष,सेब के बाग इस हिल स्टेशन की सुंदरता में चार चांद लगाते हैं. यहां से टूरिस्ट कई पर्वत श्रृंखलाओं को देख सकते हैं. औली के पास कई तीर्थस्थल हैं जिनमें आदि गुरु शंकराचार्य की तपस्तली जोशीमठ, नंदप्रयाग और रुद्रप्रयाग है.

त्रिशूल पर्वत

समुद्र तल से 23490 फीट ऊपर स्थित त्रिशूल पर्वत औली का प्रमुख आकर्षण है. इस पर्वत का नाम भगवान शिव के त्रिशूल से लिया गया है.

सोलधार

तपोवनसोलधार तपोवन औली का यह प्रमुख पर्यटन स्थल है.

नंदा देवी

नंदा देवी भारत का सबसे ऊंचा पर्वत है जिसकी ऊंचाई 7,817 मीटर है. इस चोटी को घेरे हुए नंदादेवी राष्ट्रीय उद्यान भी है जहां पर्यटक जा सकते हैं.

आर्टिफिशियल लेक

औली में टूरिस्ट आर्टिफिशियल लेक भी देख सकते हैं. यह दुनिया की सबसे ऊंची मानव निर्मित झीलों में से एक है.

जोशीमठ

जोशी मठ औली से 12 किलोमीटर की दूरी पर है. यह बद्रीनाथ और फूलो की घाटी का प्रवेशद्वार माना जाता है. जोशीमठ शहर को 'ज्योतिर्मठ' के नाम से भी जाना जाता है. यहां पर शंकराचार्य का मठ और अमर कल्प वृक्ष है. माना जाता है कि यह वृक्ष लगभग 2,500 वर्ष पुराना है.

मोबाइल स्टोरेज यूनिट स्थापित करने वाला पहला राज्य बना उत्तराखंड

WFP के तकनीकी सहयोग से संवरेगी उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्रों में खाद्यान्न आपूर्ति : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , आज प्रदेश की खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों की मंत्री रेखा आर्या ने खाद्य विभाग एवं WFP(वर्ल्ड फ़ूड प्रोग्राम)द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की जहां वर्ड फ़ूड प्रोग्राम के बारे में विभिन्न वक्ताओं ने इसकी उपयोगिता और किये गए कार्यो के बारे में विस्तृत से बताया।खाद्य मंत्री ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि भारत में विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) के सहयोग से, पहाड़ी राज्य अपने टीपीडीएस की आपूर्ति श्रृंखला का अनुकूलन करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है, जिसकी पहुंच 300 से अधिक तक है। हरिद्वार में अनाज के भंडारण के लिए 500 मीट्रिक टन क्षमता वाली मोबाइल स्टोरेज यूनिट (MSU) को सफलतापूर्वक स्थापित करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है। हाल के कुंभ मेले के दौरान, MSU ने राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के विभाग को खाद्यान्न की निर्बाध आपूर्ति प्रदान करने में सक्षम बनाया।खाद्य मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि खाद्य विभाग और वर्ल्ड फ़ूड प्रोग्राम के मध्य वर्ष 2020 के फरवरी माह में विभिन्न बिन्दुओ को लेकर एक MOU पर हस्ताक्षर हुए थे जिनके तहत परिवहन की लागत में कमी के लिए सम्पूर्ण टीपीडीएस नेटवर्क की आपूर्ति का ऑप्टिमाइजेशन

करना, भंडारण हानियों को कम करने के लिए मोबाइल भंडारण इकाइयों के उपयोग करना, डेटा संग्रह के लिए एक मोबाइल एप का उपयोग करना सहित कई शामिल हैं जिसमे से वर्ल्ड फ़ूड प्रोग्राम(WFP)द्वारा एक मोबाइल स्टोरेज यूनिट हरिद्वार जनपद के ज्वालापुर गोदाम में स्थापित की जा चुकी है साथ ही एक नैनीताल के रामनगर में स्थापित किया जाना है जिसका कार्य प्रगति पर है।

वहीं इसके अलावा WFP ने एक मोबाइल एप खाद्य विभाग को उपलब्ध कराया है जिससे विभाग के 196 गोदामो तथा करीब 9100 दुकानों के जीओ कॉर्डिनेट्स लिए गए हैं। कहा कि इसी प्रकार से WFP व खाद्य विभाग द्वारा देहरादून जनपद के धर्मपुर में ग्रीन एटीएम की स्थापना की गई है,राज्य में डोर स्टेप डिलीवरी हेतु जीपीएस ट्रैकिंग एप उपलब्ध कराया गया है जो वर्तमान में 15 गोदामों पर सफलतापूर्वक चल रहा है साथ ही PMGKAY के प्रचार प्रसार हेतु बैनर पोस्टर भी उपलब्ध कराये गए हैं।खाद्य मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि ऐसी संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करने से राज्य को नई ऊंचाईयां प्राप्त होंगी। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने पूर्व में भी कई राज्यों के साथ मिलकर कार्य किया है किन्तु उत्तराखण्ड का भौगोलिक स्वरूप आपूर्ति श्रृंखला एवं गोदाम प्रबन्धन को बहुत बड़ी चुनौती प्रस्तुत करता है और प्रभावित करता है लेकिन ऐसे कार्यक्रम निश्चित ही आपदा के समय में आने वाली समस्याओं में दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों को भी खाद्यान्न की कमी को दूर करने में कारगर सिद्ध होते हैं।इस अवसर पर कार्यक्रम में Country Director Un World Food Programme Eric kenefick , डायरेक्टर Ericsson India Global राजेश गुप्ता ,Ericsson India Global के कंपनी सचिव अमित शंकर कश्यप , सचिव खाद्य एवं बृजेश कुमार संत , एडिशनल कमिश्नर खाद्य पीएस पांगती सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश के 2000 छात्र छात्राओं को 150 टीचर कैरियर गुरु की ट्रेनिंग देंगेः शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसम्बर , शिक्षा मंत्री डॉक्टर धन सिंह रावत ने कहा है कि दसवीं और बारहवीं कक्षाओं के बाद विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में जाने के लिए तमन्ना एप्टिट्यूड टेस्ट से 150 शिक्षकों द्वारा 2000 बच्चों को करियर काउंसलिंग दी जाएगी। शिक्षा मंत्री ने नवोदय विद्यालय रायपुर देहरादून की वर्चुअल स्टूडियो में द करियर गुरु प्रोग्राम के उद्घाटन अवसर पर कहा कि अभी प्रदेश में 2000 बच्चों को इससे जोड़ा जाएगा। एनसीईआरटी के माध्यम से तमन्ना एप्टिट्यूड टेस्ट पूरे देश भर में और राज्य में करवाए जा रहे हैं। जिसके माध्यम से छात्र-छात्राएं यह तय कर पाएंगे कि उन्हें किस दिशा में आगे बढ़ना है ।

उन्होंने कहा कि आठवीं कक्षा के बाद विद्यार्थी वोकेशनल कोर्स चुन सकते हैं जिसको लेकर 400 स्कूलों में वोकेशनल क्लासेज शुरू की जा रही है। स्नातक के पश्चात विद्यार्थी चॉइस आधारित विषय चुन सकते हैं, अर्थात साइंस, सांख्यिकी और कला संकाय के विषयों को चुन सकते हैं।शिक्षा मंत्री डॉ रावत ने कहा कि अब जल्द ही गुजरात सरकार की तर्ज पर उत्तराखंड में भी विद्या समीक्षा केंद्र बनाए जा रहे हैं।

विद्या समीक्षा केंद्र के द्वारा शिक्षक और छात्र छात्राओं के पठन-पाठन की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो पाएगी। कक्षा में शिक्षक किस प्रकार छात्र छात्राओं को पढ़ा रहे हैं और बच्चा कैसे शिक्षा ग्रहण कर रहा है, ट्रांसफर एवं प्रमोशन सब ऑनलाइन हो जाएंगे। शिक्षा मंत्री धनसिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड के 40 लाख छात्र छात्राओं की हेल्थ आईडी बनाने का कार्य चल रहा है। हेल्थ आईडी के माध्यम

से बच्चे का पूरा मेडिकल रिकॉर्ड ऑनलाइन हो जाएगा। हर स्कूलों में स्वास्थ्य विभाग की टीम आकर यह हेल्थ आईडी बनाने जा रही है । हेल्थ आईडी बनने के बाद ऑनलाइन चिकित्सक की परामर्श ले पाएंगे।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में शैक्षिक गुणवत्ता के लिए राज्य सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं 200 स्कूलों का निरीक्षण कर चुके हैं। सरकार प्राइमरी स्कूलों को ₹5000 खेल सामग्री और ₹5000 पुस्तकालय के लिए दिए जा रहे हैं। जूनियर हाई स्कूल को ₹10000 और इंटरमीडिएट को ₹20000 दिए जा रहे हैं। शासकीय स्कूलों के साथ अब अशासकीय स्कूलों को भी ड्रेस जूते और किताबें मुफ्त सरकार देने जा रही है। सचिव बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने शेवनिंग एलुमनाई फण्ड से इस प्रोजेक्ट के लिए 05 लाख रुपए की धनराशि प्रदान की। उन्होंने कहा कि आसरा ट्रस्ट विगत 13 वर्षों से देहरादून की सड़कों, मलिन बस्तियों तथा समाज के सबसे वंचित बच्चों के उत्थान के लिए कार्य कर रहा है। आसरा ट्रस्ट बच्चों की शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास, पोषण, चिकित्सा तथा निराश्रित बच्चों के लिए आश्रय गृह का संचालन करता है। उन्होंने कहा इसी दिशा में आसरा ट्रस्ट, प्रदेश के 10वी 12वी कक्षा के छात्र एवं छात्राओं के सही प्रकार से करियर चयन हेतु मार्गदर्शन करनेशेवनिंग एलुमनाई फण्ड द्वारा वित्तपोषित ₹द करियर गुरु कार्यक्रम का संचालन करने जा रहा है।इस अवसर पर शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में टॉप मेरिट लिस्ट में राजकीय विद्यालयों के बच्चों का नाम अवश्य आना चाहिए। इसके लिए उन्होंने प्रदेश के सभी ऑनलाइन जुड़े अध्यापकों से कहा कि बच्चों को पढ़ाने के साथ ही प्रैक्टिस पेपर नियमित करवाएं। इस अवसर पर आसरा ट्रस्ट की चेयरमैन शाहिला ब्रजनाथ ने कहा कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत करियर काउंसलिंग प्रदान करने वाली संस्था ₹आई ड्रीम करियर के माध्यम से उत्तराखंड के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को तमन्ना एप्टीट्यूड टेस्ट एवं करियर काउंसलिंग द्वारा छात्र एवं छात्राओं के मार्गदर्शन के लिए प्रशिक्षण दिया जायेगा । शिक्षक अपने विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं के साथ तमन्ना एप्टीट्यूड टेस्ट का प्रयोग करेंगे। इसके उपरांत परीक्षा के रिपोर्ट एवं छात्र छात्राओं के रुझान के अनुसार उनका मार्गदर्शन भी किया जायेगा।

कुपोषित तथा अतिकुपोषित बच्चों को कुपोषण मुक्त करने के निर्देश : युगल किशोर पंत, डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 20 दिसम्बर , जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने राष्ट्रीय पोषण अभियान के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यों की जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा की। उन्होंने समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में कुपोषित तथा अतिकुपोषित बच्चों को कुपोषण मुक्त करने हेतु महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, ग्राम्य विकास विभाग, पंचायतीराज तथा पेयजल विभाग आपसी समन्वय से कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को गर्भवती एवं धात्री माताओं हेतु पूरक पोषाहार समय से उपलब्ध कराने, शिशु स्वास्थ्य एवं बाल आहार देने तथा सन्तुलित आहार के प्रति जनता को जागरूक करने के निर्देश दिये। डीएम ने स्वास्थ्य विभाग को गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व देखभाल, एमसीपी कार्ड एवं प्रसव उपरान्त मातृ-शिशु देखभाल हेतु परामर्श देने, प्रतिरक्षण, स्वास्थ्य जांच, संस्थागत प्रसव एवं स्तनपान अनिवार्यता के बारे में जागरूक करने, पूरक पोषाहार की महत्ता व खाने के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने प्रत्येक माह की 05 तारीख को वजन पोषण दिवस पर गर्भवती, धात्री एवं 07 माह से 03 वर्ष तक के बच्चों की वृद्धि निगरानी करने, अतिकुपोषित, कुपोषित बच्चों के अभिभावकों से कुपोषण मुक्ति हेतु सीधा संवाद करने के निर्देश बाल विकास विभाग को तथा वजन लेने व लम्बाई नापने, ग्रोथ चार्ट पर वजन अंकन करने, अभिभावकों को स्वास्थ्य सम्बन्धी परामर्श देने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिये। जिलाधिकारी ने बाल वाटिका वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका भी बनाने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिये। जिलाधिकारी ने कुपोषण की समस्या समाधान हेतु सुनहरे प्रथम 1000 दिनों (गर्भावस्था के 270 दिन, प्रसव उपरान्त 0 से 06 माह तक 180 दिन, बच्चे के 6 माह से 2 वर्ष तक 550 दिन) पर विशेष फोकस, जिसके अन्तर्गत गर्भावस्था

में शिशु के जन्म से 6 माह तक सिर्फ स्तनपान, 06 माह पर अन्न प्राशन कर 02 वर्ष तक ऊपरी आहार के साथ स्तनपान कराने के हेतु जागरूकता लाने के निर्देश बाल विकास विभाग को दिये। डीएम ने गर्भावस्था की स्वास्थ्य जांच, टीटी का टीका, हिमाग्लोबिन जांच, आईएफए टेबलेट वितवरण करने, एमसीपी कार्ड बनवाने, पंजीकरण संख्या अंकित करने व कार्ड में सूचनाओं का अंकन करने, संस्थागत प्रसव तथा जननी सुरक्षा योजना का लाभ दिलानें के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने ईसीसी दिवस आयोजित करने, विभिन्न रोगों के प्रति जागरूक करने करने एवं परामर्श देने, के निर्देश दिये। उन्होंने स्पन्दन केन्द्रों की गतिविधियों, मुख्यमंत्री बाल पोषण अभियान, प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं विकास-प्री-स्कूल गतिविधियों के बारे महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने ग्राम्य विकास, पंचायतीराज, जल संस्थान, शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि जनपद में सर्वे के अनुसार शून्य से 05 वर्ष तक के 195389 बच्चे हैं, जिनमें से 3266 बच्चे कुपोषित तथा 248 बच्चे अतिकुपोषित हैं। बैठक परियोजना निदेशक डीआरडीए हिमांशु जोशी, जिला विकास अधिकारी तारा ह्यांकी, जिला पूर्ति अधिकारी तेजबल सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरूद्ध, मुख्य शिक्षा अधिकारी आरसी आर्य आदि उपस्थित थे।

11वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता के भव्य एवं सफल आयोजन का समापन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसम्बर , पुलिस लाइन देहरादून में उत्तराखंड पुलिस द्वारा आयोजित 11वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी चैंपियनशिप 2022 के समापन समारोह की शुरुआत में खिलाड़ियों के द्वारा मार्च पास्ट एवं तीरंदाजी प्रदर्शन कर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) श्री गुरमीत सिंह का भव्य स्वागत किया गया 1 मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत करते हुए मा0 राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) श्री गुरमीत सिंह ने तीरंदाजी की विभिन्न स्पर्धाओं के विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान कर पुरस्कृत किया 1 उन्होंने कहा कि तीरंदाजी एक महत्वपूर्ण खेल है ,जिसका सेना एवं पुलिस में विशेष स्थान है 1 उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभाग कर रहे खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शित दृढ़ इच्छा शक्ति एवं एकाग्रता की सराहना की 1 उन्होंने तीरंदाजी के खेल को बौद्धिक कौशल एवं एकाग्रता का खेल बताया 1 इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक,उत्तराखंड अशोक कुमार ने बताया कि अखिल भारतीय स्तर पर 10 वर्ष पूर्व शुरू हुई तीरंदाजी की प्रतियोगिता का प्रथम बार सफल एवं भव्य मेजबानी उत्तराखंड पुलिस के द्वारा की गई 1 उन्होंने कहा कि 14 दिसंबर 2022 से शुरू हुई 05 दिवसीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में 26 प्रदेशों, केंद्र शासित प्रदेशों एवं पैरामिलिट्री की टीमों के 316 खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया 1 उन्होंने बताया कि 05 दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान समस्त टीमों के खिलाड़ियों एवं अन्य सपोर्ट स्टाफ को राज्य के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराकर उत्तराखंड राज्य की संस्कृति से भी रूबरू कराया गया 1इस मौके पर आई0बी0 की अपर निदेशक सपना तिवारी द्वारा उत्तराखंड पुलिस को प्रतियोगिता के सफल आयोजन की बधाई दी गई 1 प्रतियोगिता के आयोजन सचिव पुलिस उपमहानिरीक्षक निदेशक यातायात मुख्तार मोहसीन द्वारा समस्त खिलाड़ियों,आयोजन समिति,विशेष तौर पर उत्तराखंड तीरंदाजी संघ के सचिव श्री राजेंद्र तोमर एवं उनकी तकनीकी समिति का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया गया 1 इस मौके पर अपर पुलिस महानिदेशक पीएसी डॉ पी0वी0 के0प्रसाद ,अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था डॉ वी0 मुरुगेशन, मौजूद रहे 1तीरंदाजी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान आई0टी0बी0पी0 व द्वितीय स्थान राजस्थान पुलिस की टीम को प्राप्त हुआ 1 महिला वर्ग में प्रथम स्थान बी0एस0एफ को द्वितीय स्थान आसाम राइफल व तृतीय स्थान सी0आर0पी0एफ को प्राप्त हुआ 1 पुरुष वर्ग में अर्जुन पुरस्कार विजेता राजस्थान पुलिस के रजत चौहान एवं आई0टी0बी0पी के तुषार सिल्के संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ तीरंदाज रहे 1 महिला वर्ग में बी0एस0एफ0 की टूटू मोनी बोरो ने प्रथम स्थान पाकर सर्वश्रेष्ठ तीरंदाज का पुरस्कार प्राप्त किया 1 उत्तराखंड की टीम की रैंकिंग भी पिछली चैंपियनशिप के मुकाबले बेहतर रही 1 उत्तराखंड पुलिस की तीरंदाजी टीम पिछले वर्ष के 12वीं स्थान के मुकाबले वर्तमान तीरंदाजी प्रतियोगिता में छठे स्थान पर रही 1 11वीं ऑल इंडिया पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता के दौरान उत्तराखंड पुलिस के खिलाड़ियों ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया 1 उत्तराखंड पुलिस की तीरंदाजी टीम द्वारा कुल 05 पदक अपने नाम किए गए 1 जिनमें 01 गोल्ड , 02 सिल्वर और 02 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे 1

पासवर्ड के लिए हो रहा है 'Pass-word' का उपयोग, सावधानी बरतें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , ऐसा लगने लगा है कि लोग अभी भी 2022 में अजीब से पासवर्ड का उपयोग कर रहे हैं। हर साल, यह पता चलता है कि यूजर कमजोर पासवर्ड का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि वे अपनी गलतियों से सीखने को तैयार नहीं हैं। कमजोर या आसानी से अनुमान लगाने योग्य पासवर्ड हैकर्स के लिए आपका डेटा या कोई भी जानकारी चुराना आसान बना सकते हैं, जो आपको भारी पड़ सकता है।नॉर्डपास ने 2022 के लिए अपनी वार्षिक सबसे आम पासवर्ड लिस्ट शेयर की है, जिससे पता चलता है कि भारत में करीब 3.5 लाख लोग साइन अप करने के लिए पासवर्ड के रूप में ₹पासवर्ड₹ का ही उपयोग कर रहे है। रिपोर्ट में आश्चर्यजनक रूप से यह भी दिखाया गया है कि बिगबास्केट को 75,000 से अधिक भारतीयों द्वारा पासवर्ड के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

इस साल के टॉप 10 सबसे कॉमन पासवर्ड हैं

123456, bigbasket, पासवर्ड, 12345678, 123456789, pass@123, 1234567890, anmol123, abcd1234 और googledummy

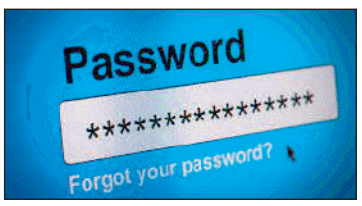

रिपोर्ट के मुताबिक, ये पासवर्ड हजारों यूजर्स इस्तेमाल कर रहे हैं। केवल भारत में ही नहीं बल्कि लगभग 30 देशों में भी ऐसा ही कुछ हो रहा है । रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पूरी दुनिया में गेस्ट, वीआईपी, 123456 और अन्य जैसे पासवर्ड का इस्तेमाल बड़ी संख्या में लोग कर रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, ₹हर साल, रिसर्च करने वाले एक ही पैटर्न देखते हैं - लोग लोकप्रिय नामों का उपयोग कर रहे हैं, जो काफी कमजोर पासवर्ड हैं और हैकर के काम को बहुत आसान बना देंगे।

भारत की सरगम कौशल 21 साल बाद लाए भारत में मिसेज वर्ल्ड का ताज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 दिसंबर , सरगम कौशल को मिसेज वर्ल्ड 2022 नामित किया गया, 63 देशों के सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों ने 21 साल बाद खिताब वापस भारत लाया। जम्मू की एक महिला 21 साल बाद मिसेज वर्ल्ड का ताज भारत वापस लाई है। सरगम कौशल को शनिवार को लास वेगास के रिसॉर्ट में पेजेंट 2022 का विजेता घोषित किया गया।आपको बता दे , 32 वर्षीय सरगम कौशल एक मॉडल होने के अलावा एक पेंटर और कंटेंट राइटर भी हैं। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में मास्टर डिग्री और शिक्षा में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है।कौशल के पिता एक सेवानिवृत्त बैंकर हैं। उसने उसे जीवन में बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करने का श्रेय दिया। और उसने अदिति गोवित्रिकर के 21 साल बाद मिसेज वर्ल्ड का खिताब घर लाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।उसने कहा कि उसके पिता हमेशा उससे कहते थेः ₹तुम अलग हो, मैं इसे तुम्हारी आँखों में देखता हूँ। आप जीवन में बड़ी चीजों के लिए बने हैं। चीजें जो लोग हासिल करना चाहते हैं, लेकिन करने की हिम्मत नहीं रखते। आपके दिल में वह साहस है और आपके पेट में आग है।₹इस साल की शुरुआत में मिसेज इंडिया का खिताब जीतने के बाद उन्होंने लिखा थाः ₹जब तक मैं जीत नहीं गई तब तक मुझे नहीं पता था कि मैं इन शब्दों के साथ न्याय कर पाऊंगी या नहीं₹।कौशल की शादी एक नेवी ऑफिसर से हुई है और वह मुंबई में रहते हैं। मिसेज इंडिया प्रतियोगिता के दौरान उनके जीवन के सबसे ₹खूबसूरत और संतोषप्रद₹ चरण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह शादी थी।₹मैं एक अद्भुत व्यक्ति से मिली और हम एक सुंदर जीवन साझा करते हैं,₹ उसने कहा। ₹हम एक दूसरे को बेहतर इंसान बनाते हैं। वह मेरी ताकत और मेरी रीढ़ हैं।₹

नैनीडांडा विकासखंड को पिछड़ा क्षेत्र घोषित करे धामी सरकार : धीरेंद्र प्रताप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , नैनीडांडा विकासखंड को पिछड़ा क्षेत्र घोषित कर इस को आरक्षण दिया जाए यह मांग उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष और पूर्व दर्जा प्राप्त काबीना मंत्री धीरेंद्र प्रताप ने की है धीरेंद्र प्रताप देहरादून में नैनीडांडा क्षेत्र विकास समिति के वार्षिक समारोह को संबोधित कर रहे थे उन्होंने कहा कि धुमाकोट को चरागाह बताकर जिस तरह से वहां के बाजार को बेदखल किया जा रहा है वह बहुत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है और कांग्रेस सड़क से लेकर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक इस मामले में संघर्ष करेगी। उन्होंने इस मामले में मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप की मांग की इस समारोह को उनके अलावा देहरादून के विधायक विनोद चमोली देहरादून के मेयर श्री गामा और समिति के अध्यक्ष सतीश घिल्डियाल और सचिव अर्जुन पटवाल ने भी संबोधित किया ।समारोह को प्रसिद्ध गायिका संगीता धौंडियाल ने अपने गीतों से गुंजायमान कर दिया समारोह में 1000 से ज्यादा नैनीडंडा के लोगों ने भाग लिया।

क्या आपने कभी सोचा है कि शतरंज का खेल कब और कैसे शुरू हुआ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 दिसंबर ,दुनिया भर में न जाने कितने खेल खेले जाते हैं, कुछ खेल शारीरिक होते हैं, कुछ मानसिक, कुछ खेल तकनीकी मदद से खेले जाते हैं, कुछ खेल भौतिक चीजों के समावेश से खेले जाते हैं, इनमें से एक खेल सबसे दिलचस्प है और मानसिक चेतना को मजबूत करता है। करने का खेल शतरंज का खेल है।

आपने भी कभी न कभी शतरंज खेला होगा, लेकिन क्या आपने कभी शतरंज के इतिहास पर गौर करने का मन बनाया है, अगर नहीं तो आज टीवी न्यूज़ वायरस आपको शतरंज के इतिहास और इसकी शुरुआत के बारे में बताने जा है ।शतरंज के खेल का इतिहास क्या है ?शतरंज का खेल कैसे शुरू हुआ होगा ? शतरंज के प्यादे कैसे बनते होंगे। सबसे पहली और महत्वपूर्ण बात यह है कि शतरंज के खेल

की शुरुआत भारत में ही हुई थी और भारत से बाहर आने के बाद यह खेल दुनिया के लोगों के बीच प्रसिद्ध हो गया ।ऐसा माना जाता है कि भारत में शतरंज के खेल का आविष्कार होने के बाद यह फारसी देशों में लोकप्रिय हुआ, इसके बाद यह पूरी दुनिया में पहुंचा। भारत में शतरंज खेलने की शुरुआत भी पांचवीं-छठी शताब्दी से मानी जाती है। भारत में जब इस खेल की शुरुआत हुई थी तो यह पहला खेल था जिसे दिमाग का इस्तेमाल करके खेला जाता था। पौराणिक कथाओं के अनुसार शतरंज का आविष्कार गुप्त काल में हुआ था ।वैसे महाभारत के प्रसंग में पांडवों और कौरवों के पुत्रों के बीच चौसर का खेल खेला जाता था। लेकिन गुप्त काल के राजाओं ने चौसर के खेल को बदलने की इच्छा से शतरंज के खेल की शुरुआत की। जब शतरंज का आविष्कार हुआ तो इसे इस नाम की जगह चतुरंग खेल के नाम से जाना जाने लगा ।यूरोप और रूस जैसे देशों में शतरंज का खेल 9वीं सदी तक पहुंच चुका था। शतरंज का खेल फैलता चला गया और आज लगभग सभी देशों में शतरंज के खेल को अपना लिया गया है ।शतरंज के खेल को अलग-अलग देशों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है, जैसे-जैसे यह खेल फैलता गया, इस खेल में कई बदलाव हुए, कई नियम बदले गए और कुछ देशों ने इस खेल का नाम बदलने की कोशिश भी की। पुर्तगाल में शतरंज के इस खेल का नाम जडेरेज रखा गया है। जबकि स्पेन में शतरंज को ad-jerage कहा जाता है ।शतरंज का खेल कैसे खेला जाता है ?शतरंज के खेल में, एक बोर्ड काले और सफेद वर्गों से बना होता है, जिसमें कुल 64 वर्ग होते हैं। जिसमें 32 सेल सफेद रंग के और 32 सेल काले रंग के हैं। शतरंज के खेल में केवल 2 खिलाड़ी ही खेल सकते हैं। दोनों खिलाड़ियों में एक राजा, एक वज़ीर, दो हाथी, दो घोड़े, दो ऊँट और आठ सैनिक होते हैं ।शतरंज के खेल के नियमों के अनुसार सफेद वर्ग का खिलाड़ी खेल शुरू करता है ।इस खेल में समय की कोई पाबंदी नहीं है। वर्तमान में, शतरंज के खेल को नियंत्रित किया जाता है और प्रतियोगिताओं का आयोजन इंडिया चेस फाउंडेशन द्वारा किया जाता है, जिसे 1951 में स्थापित किया गया था। वैश्विक स्तर पर शतरंज के खेल को अंतर्राष्ट्रीय शतरंज फाउंडेशन द्वारा नियंत्रित किया जाता है। जो व्यक्ति इस खेल को खेलने में माहिर होता है उसे ग्रैंड मास्टर की उपाधि दी जाती है।

उत्तराखंड में वन्यजीव हमलों से निपटने के लिए 42,000 एनसीसी कैडेटों को प्रशिक्षित किया जाएगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर ,उत्तराखंड में मानव-वन्यजीव संघर्ष के लगातार बढ़ते मुद्दे से निपटने के लिए, राज्य के वन विभाग ने लगभग 560 स्कूलों के 42,000 राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के छात्रों को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने कहा कि कैडेट चिड़ियाघरों, बाघ अभयारण्यों और वन्यजीव अभयारण्यों में लाइव डेमो कक्षाओं में भाग लेंगे और वन कर्मियों द्वारा शिविरों में विशेष कक्षाओं में भाग लेंगे ।उत्तराखंड में इस साल 30 नवंबर तक वन्यजीवों के हमलों में चार बच्चों समेत 51 लोगों की मौत हो चुकी है ।अधिकारियों के अनुसार राज्य के वन विभाग और एनसीसी उत्तराखंड की सेना शाखा ने प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

उत्तराखंड वन विभाग के चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन समीर सिन्हा ने इस मामले पर बात करते हुए कहा, ₹अगर हम अनुशासित 42,000 एनसीसी कैडेटों को इस मुद्दे के बारे में संवेदनशील बनाते हैं, तो वे खुद के साथ-साथ अपने परिवारों की सुरक्षा के लिए बेहतर स्थिति में होंगे। उन्हें जरूरत है ।₹ केवल डॉस का पालन करना और तेंदुए और अन्य हमलों से बचने के लिए नहीं ।₹कैडेटों को देहरादून और नैनीताल चिड़ियाघर, कॉर्बेट और राजाजी टाइगर रिजर्व और गंगोत्री नेशनल पार्क में डेमो सत्र के लिए ले जाया जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि इससे वन कर्मचारियों को इस अभ्यास की ₹तात्कालिकता और आवश्यकता₹ से परिचित कराने में मदद मिलेगी, जिसे केवल कई हितधारकों, विशेष रूप से युवाओं की भागीदारी से रोका जा सकता है।

क्या मुझे पद छोड़ देना चाहिए? : एलोन मस्क

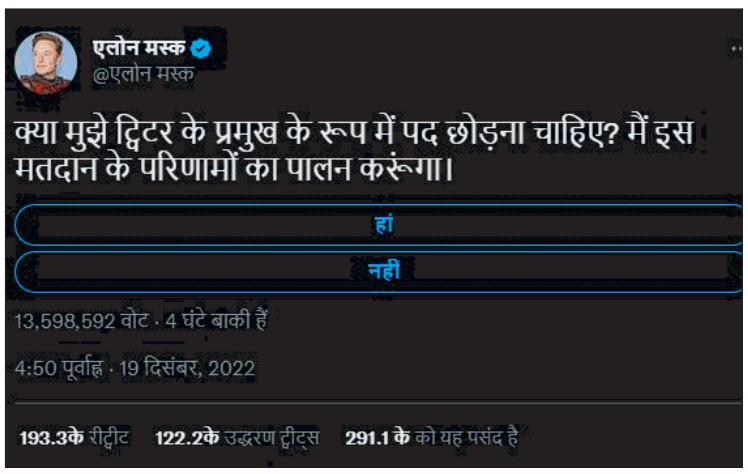

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 दिसंबर , पिछले कुछ दिनों में ट्विटर पर नीतिगत बदलावों की झड़ी लगाने के बाद, ट्विटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलोन मस्क ने माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट पर एक पोल शुरू किया है जिसमें लाखों उपयोगकर्ताओं से पूछा गया है कि ₹क्या मुझे ट्विटर के प्रमुख के रूप में पद छोड़ना चाहिए?

एलोन मस्क ने एक ट्विटर पोल पोस्ट किया है जिसमें जनता से पूछा गया है कि क्या उन्हें ट्विटर के प्रमुख के रूप में पद छोड़ना चाहिए। पोल ने पहले कुछ घंटों के भीतर ही लाखों वोट बटोरे हैं, प्रारंभिक परिणामों में 57% हाँ का झुकाव है ।एलोन ने कहा है कि वह इस सर्वेक्षण के परिणामों का पालन करेंगे और चेतावनी दी है

कि ₹सावधान रहें कि आप क्या चाहते हैं, क्योंकि आप इसे प्राप्त कर सकते हैं₹।

अल्मोड़ा जिला जेल के कैदियों ने जेल के अंदर उगाए मशरूम, 200 रुपये प्रति किलो कमाते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा, 20 दिसंबर ,पहल के पहले चरण में अल्मोड़ा जिला जेल में तीस कैदियों को मशरूम उगाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है,जेल के अंदर दो कमरों का इस्तेमाल इस उद्देश्य के लिए किया गया था और एक साल के प्रयासों के बाद, जेल रोजाना लगभग 14 किलो बटन मशरूम बाजार में बेचता है, जिससे 200 रुपये प्रति किलो की कमाई होती है, जो कैदियों को जाती है।

पहल के दूसरे चरण में 30 और कैदियों को मशरूम उगाने का प्रशिक्षण दिया जाएगाजेल अधीक्षक जयंत पांगती ने कहा, ₹हम चाहते हैं कि कैदी कुशल और आत्मनिर्भर हो, ताकि समाज की मुख्यधारा

में शामिल होने के बाद वे अपना भरण-पोषण कर सकें।₹मशरूम उत्पादन के अलावा, हम अन्य व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान कर रहे हैं,₹ उन्होंने आगे कहा। कैदियों को प्रीति भंडारी द्वारा प्रशिक्षित किया गया था, जिन्हें कुमाऊं में ₹मशरूम लेडी₹ के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने 10 साल पहले एक राज्य में मशरूम उगाने का प्रयोग शुरू किया था। जो परंपरागत रूप से केवल जंगली मशरूम एकत्र करता है ।भंडारी वर्तमान में मशरूम बेचकर 18 लाख रुपये तक कमाते हैं, जिनमें से कुछ दिल्ली जैसे पड़ोसी राज्यों में भेजे जाते हैं, और ग्रामीणों को उन्हें उगाने और उनसे कमाई करने का प्रशिक्षण देते हैं। अपने प्रयासों के लिए, भंडारी ने उत्तराखंड में असाधारण महिलाओं को दिया जाने वाला तीलू रौतेली पुरस्कार भी जीता है।

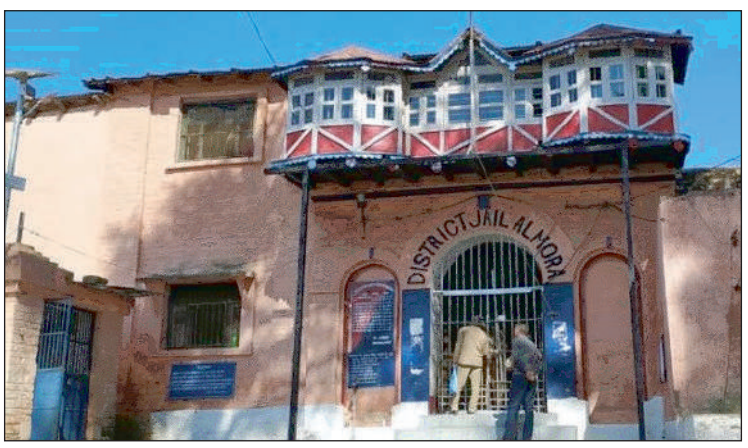

जीएसटी चोरी के मामले में उत्तराखंड के व्यवसायी को 5 साल की सजा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार, 20 दिसंबर, हरिद्वार के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकेश चंद्र आर्य ने उत्तराखंड के व्यवसायी सुरेंद्र सिंह को धारा 132 (1) (i) (5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि) के तहत माल और सेवा कर (जीएसटी) चोरी का दोषी पाए जाने पर पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इनपुट टैक्स क्रेडिट का गलत लाभ उठाया)।सिंह ने कथित तौर पर छह शेल कंपनियां पंजीकृत की और 17 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का झूठा दावा किया।इनपुट टैक्स क्रेडिट का मतलब किसी व्यक्ति द्वारा सामान या सेवाओं की खरीद के समय पहले से चुकाए गए टैक्स से है और जो देय कर से कटौती के रूप में उपलब्ध है।

सिंह ने अपने मुख्य व्यवसाय को एक जनशक्ति आपूर्तिकर्ता के रूप में घोषित किया लेकिन गैर-मौजूद कंपनियों से लौह अयस्क, प्लाईवुड और फर्नीचर की नकली खरीद और बिक्री दिखा कर कथित रूप से आईटीसी का लाभ उठाया। कोर्ट ने उन पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है.उपायुक्त, जीएसटी, विनय पांडे ने कहा, ₹चूंकि जनशक्ति आपूर्ति व्यवसाय में कोई बिल नहीं बनता है, इसलिए सिंह को जीएसटी राशि नकद में जमा करनी थी, लेकिन उन्होंने आईटीसी लाभ प्राप्त करने के लिए गैर-मौजूद कंपनियों के फर्जी बिल पेश किए ताकि वह जीएसटी का भुगतान नहीं करना होगा। अब, चोरी जीएसटी की वसूली शुरू की गई है।अभियोजन पक्ष के वकील अधिवक्ता लक्ष्य कुमार सिंह ने कहा कि कोर्ट ने स्पीडी ट्रायल चलाकर इसे आठ महीने में पूरा कर जीएसटी चोरी के दोषियों को सजा सुनाई है. करीब आठ महीने पहले विभाग की एक केंद्रीकृत जांच इकाई ने फर्जी आईटीसी दावों के सिलसिले में एक मैनपावर सप्लायर फर्म, पीएस एंटरप्राइजेज सहित छह फर्मों पर छापा मारा था।₹जांच के दौरान, यह पाया गया कि पीएस इंटरप्राइजेज के संचालक सिंह ने दिल्ली, यूपी और हरियाणा की फर्मों से लौह अयस्क और प्लाईवुड की नकली खरीद की।

उसने अपनी पांच अन्य फर्मों के माध्यम से खरीदारी की। जो नकली खरीद दिखाई गई थी, वह मौजूद नहीं है। सिंह ने नकली खरीद पर विभाग से 17 करोड़ रुपये का दावा प्राप्त किया। जीएसटी टीम ने सिंह को 5 अप्रैल, 2022 को गिरफ्तार किया, ₹जीएसटी आयुक्त (राज्य कर), अहमद इकबाल ने कहा कि जीएसटी चोरी के लिए यह देश में पहली सजा है। ₹दोषियों को कानून की अदालत में लाने के लिए पूरी टीम ने अथक प्रयास किया। इस मामले ने एक मिसाल कायम की है। यह अधिकारियों के मनोबल को ऊंचा रखेगा और कर चोरी करने वालों को हतोत्साहित करेगा।

ब्रेन फूड्स जो आपको ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 दिसंबर ,खाद्य पदार्थों और आहार की खुराक के बारे में चर्चा सुनें, और आप विश्वास करेंगे कि वे स्मृति, ध्यान अवधि और मस्तिष्क के कार्य को बढ़ाने के लिए तेज फोकस से सब कुछ कर सकते हैं।लेकिन क्या ये वाकई काम करते हैं? इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे हमारा शरीर भी हमारे साथ-साथ बूढ़ा होने लगता है। अच्छी खबर यह है कि यदि आप अपने आहार में ₹स्मार्ट₹ खाद्य पदार्थ और पेय शामिल करते हैं तो आप एक स्वस्थ मस्तिष्क बनाए रखने की संभावनाओं में सुधार कर सकते हैं।कैफीन आपको अधिक सतर्क बना सकता हैआईक्यू को बढ़ावा देने या आपको स्मार्ट बनाने के लिए कोई जादू की गोली नहीं है - लेकिन कुछ पदार्थ कैफीन आपको अचूक वेक-अप बज़ देते हैं, हालांकि प्रभाव अल्पकालिक होते हैं।चीनी

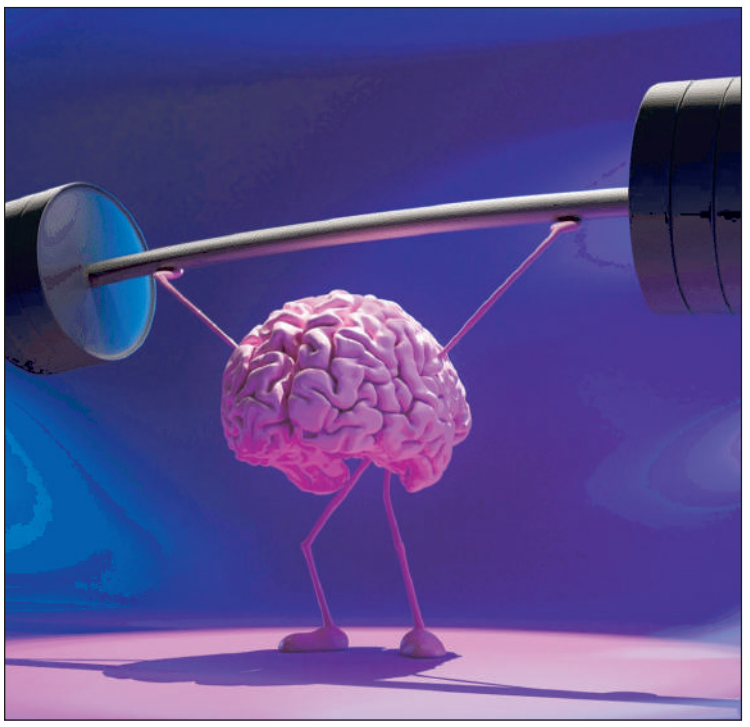

सतर्कता बढ़ा सकती हैचीनी आपके मस्तिष्क का पसंदीदा ईंधन स्रोत है - टेबल शुगर नहीं, बल्कि ग्लूकोज, जिसे आपका शरीर आपके द्वारा खाए जाने वाले शर्करा और कार्ब्स से संसाधित करता है। इसीलिए एक गिलास OJ या अन्य फलों का रस याददाश्त, सोच और मानसिक क्षमता को अल्पकालिक बढ़ावा दे सकता है।मेवे और चॉकलेट की दैनिक खुराक जोड़ेंडार्क चॉकलेट में अन्य शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं, और इसमें कैफीन जैसे प्राकृतिक उत्तेजक होते हैं, जो फोकस बढ़ा सकते हैं। मेवे और बीज एंटीऑक्सिडेंट विटामिन ई के अच्छे स्रोत हैं, जो कुछ अध्ययनों में उम्र के साथ कम संज्ञानात्मक गिरावट से जुड़ा हुआ है।मछली वास्तव में ब्रेन फूड हैएक महान मस्तिष्क बूस्ट से जुड़ा एक प्रोटीन स्रोत मछली है - ओमेगा -3 फैटी एसिड से भरपूर जो मस्तिष्क स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन स्वस्थ वसा में अद्भुत मस्तिष्क शक्ति होती हैः उच्च स्तर वाले आहार को कम डिमेंशिया और स्ट्रोक जोखिम और धीमी मानसिक गिरावट से जोड़ा गया है; इसके अलावा, वे याददाश्त बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, खासकर जब हम बड़े हो जाते हैं।मस्तिष्क और हृदय स्वास्थ्य के लिए, मछली की दो सर्विंग्स साप्ताहिक रूप से खाएं

दून की होनहार शूटर पावनी को देवभूमि मानव संसाधन विकास ट्रस्ट का सम्मान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर ,भोपाल मध्य प्रदेश में आयोजित हुई 2022 राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में देहरादून की 15 वर्षीय पावनी रावत ने महिला जूनियर वर्ग में सिल्वर जीत कर उत्तराखंड का नाम रौशन किया है जिसके लिए आज देवभूमि मानव संसाधन विकास ट्रस्ट की ओर से अध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने स्पोर्ट्स बार में आयोजित कार्यक्रम में पावनी रावत को सम्मानित किया। वरिष्ठ समाजसेवी सूर्यकान्त धस्माना ने इस अवसर पर पावनी के कोच अक्षय आनंद की मांग पर कुमारी पावनी रावत को उनके शूटिंग प्रैक्टिस के लिए आवश्यक राइफल अपने ट्रस्ट की ओर से भेंट करने की

■ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना सरकार और समाज का कर्तव्य : धस्माना

घोषणा की। वरिष्ठ समाजसेवी सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भागीदारी करने के लिए तैयारी व प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी सरकार के साथ साथ समाज की भी है और सरकारों को तो इसके लिए ठोस नीति बनानी ही चाहिए लेकिन समाज को भी इसमें अपनी भूमिका निभाते हुए अपना हर प्रकार का योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर पावनी रावत के कोच अक्षय आनंद ने बताया कि सोशल बलूनी पब्लिक स्कूल की 15 साल की छात्रा पावनी रावत ने 65वी० राष्ट्रीय शूटिंग चेम्पियनशीप में 50 मी० पिस्टल अंडर 21 महिला केटेगरी में उत्तराखण्ड के लिए सिल्वर मेडल जीता । इस केटेगरी में देशभर के 400 प्रतिभागियों ने भाग लिया था । यह प्रतियोगिता 20 नवंबर से 12 दिसम्बर तक मध्यप्रदेश के भोपाल में नेशनल राइफल संघ के द्वारा आयोजित की गई ।सम्मान कार्यक्रम में समाजसेवी अंकुर रौतेला, अक्षय आनंद , निष्कर्ष धस्माना, सौरभ नौटियाल ने भी पावनी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उत्तराखंड में ठंड से मौसम की पहली मौत

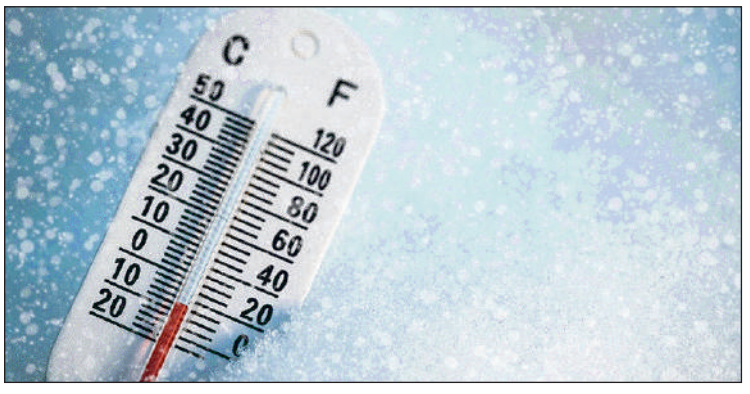

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर, 20 दिसंबर, रुद्रपुर में नैनीताल हाईवे पर इंदिरा चौक के पास मानसिक रूप से विक्षिप्त संदिग्ध रूप से एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिला।पुलिस के मुताबिक, राज्य में इस सीजन में ठंड से हुई यह पहली मौत बताई जा रही है। उस आदमी को कोई चोट नहीं थी, उसने गर्म कपड़े नहीं पहने थे और बस उसके चारों ओर एक कंबल लिपटा हुआ था।

न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।पंतनगर में जीबी पंत विश्वविद्यालय के मौसम विभाग ने न्यूनतम तापमान में और गिरावट की संभावना जताई है। आरके सिंह ने कहा, ₹आसमान में बादल छाए रहेंगे, लेकिन आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहेगा। दिन और रात दोनों तापमानों में और गिरावट आने की उम्मीद है। साथ ही, तराई क्षेत्र में घना कोहरा छा जाएगा।₹ इस बीच, निवासियों ने कहा, ठंड से संबंधित मौत, स्थानीय नागरिक निकाय की उदासीनता को दर्शाती है, जो अभी तक शहर भर में पर्याप्त अलाव की व्यवस्था करने

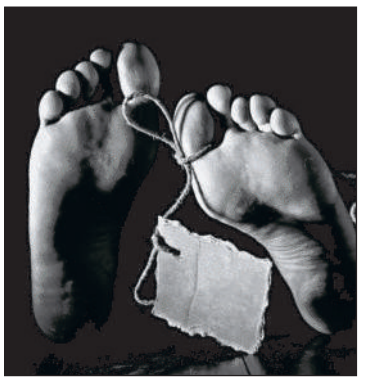

में विफल रही है। नगर निकाय के एक अधिकारी से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ₹अलाव जलाने के लिए धन स्वीकृत होने की प्रक्रिया चल रही है।

पिछले साल दिसंबर में, किच्छा बाईपास पर एक नहर के पास चालीस वर्षीय एक व्यक्ति मृत पाया गया था, और माना जाता है कि ठंड के कारण उसकी मृत्यु हो गई थी। यूएस नगर में 2019 और 2018 में ठंड से दो लोगों की मौत हुई थी।

संपादकीय

जैव विविधता पर ध्यान

कनाडा के मॉन्ट्रियल में आयोजित जैव-विविधता सम्मेलन (कॉप15) में भारत ने आशा व्यक्त की है कि इस बैठक में आम सहमति से ठोस निर्णय लिया जायेगा. संयुक्त राष्ट्र के इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि पारिस्थितिकी के नुकसान की भरपाई करना तथा वैश्विक स्तर पर हो रहे जैव विविधता के ह्रास को रोकना लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास और कल्याण के लिए आवश्यक है. उन्होंने इस संबंध में भारत में हो रहे प्रयासों का उल्लेख भी किया. हमारा देश विभिन्न प्रकार के जीव-जंतुओं, कीट-पतंगों, पक्षियों और पेड़-पौधों से समृद्ध है. धरती के संतुलन को बनाये रखने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन जलवायु परिवर्तन, मानवीय विकास, प्रदूषण तथा देख-रेख के अभाव जैसे कारकों ने जैव-विविधता को संकट में ला दिया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण, नदियों के उद्धार, नदी तटों की पारिस्थितिकी, वन्य जीव संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार आदि से संबंधित कार्यक्रमों एवं नीतियों के माध्यम से जैव-विविधता को बेहतर करने को सरकार की प्राथमिकताओं में सम्मिलित किया है. इस संबंध में सूचनाओं तथा तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए भारत अन्य देशों से सहकार भी कर रहा है. जलवायु परिवर्तन को लेकर विकासशील देशों के प्रति जो रवैया विकसित राष्ट्रों का रहा है, वह जैव-विविधता के मामले में भी दिख रहा है. विकसित देश ऐतिहासिक रूप से जलवायु परिवर्तन और जैव-विविधता के ह्रास के लिए जिम्मेदार हैं, पर अब वे उसकी भरपाई में आगे बढ़कर योगदान देने की जगह विकासशील देशों से ऐसी अपेक्षाएं कर रहे हैं, जिनसे इन देशों की विकास गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है. भारतीय पर्यावरण मंत्री ने उचित ही कहा है कि इस सम्मेलन में निर्धारित होने वाले लक्ष्य एवं कार्यक्रम महत्वाकांक्षी अवश्य हों, किंतु वे व्यावहारिक और यथार्थ पर आधारित भी होने चाहिए. विकसित देश चाहते हैं कि भारत कृषि पर दिये जा रहे अनुदानों में बड़ी कटौती करे और उस धन को जैव-विविधता के संरक्षण में लगाये. देश की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा कृषि पर आश्रित है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सबसे प्रमुख आधार है. ऐसे में कृषि अनुदानों में भारी तो क्या, मामूली कटौती भी हमारे आर्थिक हितों को प्रभावित कर सकते हैं. खाद्य सुरक्षा बनाये रखना भी भारत जैसे देशों के लिए बहुत जरूरी है.

मानवता...अधिकारी हो तो एसडीएम एसएस नेगी जैसा.!

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मसूरी,19 दिसंबर। यूं तो आपने अधिकारी बहुत देखे होंगे लेकिन ऐसे अधिकारी बहुत कम देखने को मिलते है,जो संवेदनशील हो,कृपालु भी और दयालु भी।मसूरी में हुए अधिकारियों के चिंतन शिविर का असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है पहाड़ों की रानी मसूरी के राजा के व्यवहार पर,जी हां,मसूरी का राजा मतलब एसडीएम मसूरी, एसडीएम मसूरी शैलेंद्र सिंह नेगी आजकल ऐसे जरूरतमंद लोगों को खोजने में जुटे है जो अंधेरी सर्द रातों में कंपकपा रहे है या फिर सुबह के उजालों में ओझल है।एसडीएम मसूरी एसएस नेगी, मुख्यमंत्री पुष्कर धामी और मुख्य सचिव एसएस संधु के व्यवहार और कार्यशैली से बहुत ज्यादा प्रभावित है और उन्होंने जनहित को अपने जीने का तरीका बना लिया है,सरकारी फंड से किसी जरूरतमंद की

जितनी मदद हो सकती है उतनी मदद के अलावा भी अलाव हो या कंबल सभी की मदद में दिनरात जुटे है,दैनिक न्यूज़ वायरस भी अपने पाठकों से अनुरोध करता है कि सभी नागरिक अपने मानवीय संवेदनाओं को मदद के रूप में हर ज़रूरतमंद तक पहुंचाए और एसडीएम मसूरी एसएस नेगी जैसे अधिकारियों से प्रेरणा लें।

गुरु राम राय के खेलोत्सव में एथलीट ज्योति ने लगाई सबसे लम्बी कूद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता खेलोत्सव-2022 के पांचवां एथलीटों के नाम रहा। बालक व बालिका वर्ग में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। क्रिकेट के रोमाचंक मुकाबले में एसजीआरआर मेडिकल कॉलेज ने 19 रनों से जीत दर्ज की। बालिका वर्ग खो-खो का खिताब स्कूल ऑफ नर्सिंग ने खिताबी जीत दर्ज की।

श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एण्ड हेल्थ साइंसेज़ के खेल मैदान पर सोमवार को 200 मीटर दौड़ में अभिनव कुमार और रिया नौटियाल सबसे तेज धावक साबित हुए। 400 मीटर का खिताब प्रणव प्रकाश व खुशी नयाल के नाम आया। 800 मीटर में ऋषभ रावत और मनीषा सिंह विजयी रहे। जैवलिन थ्रो में वरुण देउपा औश्र खुशबू चौहान अव्वल रहे। ह्यूमैनिटीज के आयुष कुमार व मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स स्टडीज की ज्योति पांडे ने सबसे लंबी कूद लगाकर प्रतियोगिता का टाइटल खिताब जीता। बालिका वर्ग खो खो में स्कूल ऑफ नर्सिंग ने खिताबी जीत दर्ज की। डिस्कस थ्रो में में ह्यूमैनिटीज के आयूष त्यागी व पैरामैडिकल की खुशबू चौहान अव्वल रहीं। खेलोत्सव-2022 का सबसे बहुप्रतिक्षित

- एसजीआरआर खेलोत्सव-2022 बालक वर्ग में आयुष व बालिका वर्ग में ज्योति ने लगाई सबसे लंबी कूद
- 200 मीटर में अभिनव और रिया नौटियाल सबसे तेज़ दौड़े
- 400 मीटर में प्रणव प्रकाश व खुशी नयाल ने मारी बाजी

क्रिकेट का फाइनल मुकाबला एसजीआरआर मेडिकल कॉलेज बनाम एसजीआरआर एग्रीकल्चर साइंसेज के छात्रों के बीच खेला गया। एसजीआरआर मेडिकल कॉलेज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया। मेडिकल कॉलेज की ओर से अनमोल कुमार ने आतिशी पारी खेलते हुए सर्वाधक 48 रन बनाए। निर्धारित 12 ओवरों में मेडिकल कॉलेज ने 118 रनों का लक्ष्य दिया। एग्रीकल्चर की ओर से अर्जुन ने 2 विकेट, आशीष ने 1 विकेट, प्रियांशू 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अर्जुन ने सर्वाधिक 42 रनों का योगदान दिया। अंतिम 18 गेंदों पर 37 रनों की आवश्यता थी। अर्जुन का विकेट गिरते ही एग्रीकल्चर की टीम ढेर हो गई और 19 रनों से मैच हार गई। एग्रीकल्चर ने 12 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 98 रन बनाए। मैच ऑफ दि मैच अनमोल को चुना गया। मैन ऑफ दि सिरीज़ अर्जुन सिंह राणा को चुना गया। इस अवसर पर श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ यू.एस.रावत, कुलसचिव डॉ आर.पी. सिंह, खेलोत्सव-2022 के समन्वयक डॉ मनोज गहलोत, डॉ सविता पाटिल, डॉ अरुण कुमार, डॉ एम ए बेग, डॉ अनिल थपलियाल, जी राजन, संदीप चोपड़, डॉ. सोनिया गम्भीर, वैभव शर्मा, एसपी जोशी, विजय नेगी, आदि खेल अधिकारियों ने सहयोग किया।

विधान सभा के बर्खास्त कर्मचारियों ने विधान सभा भवन के बाहर दिया धरना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , प्रदर्शनकारियों ने धरना देते हुए कहा है कि जब विधानसभा में राज्य गठन से लेकर आज तक (वर्ष 2000 से वर्ष 2022 तक) सभी नियुक्तियां एक ही प्रक्रिया से हुई हैं तथा डीके कोटिया जांच समिति और विधानसभा ने न्यायालय में अपने एफिडेविट में भी सभी नियुक्तियां को अवैध बताती है तो कार्रवाई वर्ष 2016 के उपरांत नियुक्त कर्मचारियों पर ही क्यों की जाती है।वर्ष 2016 से पूर्व नियुक्त अवैध कर्मचारियों को क्यों बचाया जा रहा है। भाजपा के रसूखदार नेताओं के वे कौन रिश्तेदार हैं, जिन पर कार्रवाई न कर बचाने का प्रयास किया जा रहा है। सवाल यह है कि जब सारी नियुक्ति ही अवैध है तो उनका नियमितीकरण कैसे वैध हो सकता है। जिसका हवाला देकर उन्हें बचाया जा रहा है। जब कुन्जवाल की भर्तियों को ही अवैध कह रहे हैं तो उनके द्वारा किया गया नियमितिकरण (वर्ष 2001 से वर्ष 2015 के कर्मचारियों का) कैसे वैध हो सकता है।विधानसभा ने माननीय उच्च न्यायालय में प्रस्तुत अपने काउंटर

एफिडेविट में कहा कि विधानसभा सचिवालय में वर्ष 2001 से वर्ष 2021 तक सभी 396 नियुक्तियां अवैध हैं, तो फिर विधानसभा अध्यक्ष की यह सिलेक्टिव अप्रोच क्यों, यह आधा अधूरा न्याय क्यों ?इस अवसर पर कपिल धोनी, भगवती सानी, दीप्ति पांडे, कुलदीप सिंह, गिरीश चंद्र बरगली, अनिल नैनवाल, मुकेश पंत, प्रदीप सिंह, गोपाल नेगी, धर्मेंद्र सिंह कार्की, अनिल रयाल, ओम प्रकाश, संजय सिंह, अरविंद चमोली, पंकज सिंह धोनी, पूनम अधिकारी, सरस्वती, अमित ममगाई, निहारिका उनियाल, रविंद्र सिंह रावत, देवी दत्त पोखरियाल, मोनिका सेमवाल, शगुन बिष्ट, भूपेंद्र प्रसाद, बबीता भंडारी, विजय सिंह चौहान, पूनम अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

जनुसनवाई में शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण हो : झरना कमठान, सीडीओ देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 20 दिसम्बर , जिलाधिकारी सोनिका के निर्देशों पर मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान की अध्यक्षता में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में 105 शिकायतें प्राप्त हुई।

मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनुसनवाई में जो शिकायतें प्राप्त होती है उनका समयबद्ध निस्तारण करें। विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय करते हुए शिकायतों के निस्तारण के साथ ही समीक्षा भी करें। उन्होंने शिकायत पटल कलेक्ट्रेट को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त हुई शिकायतों में जो शिकायतें लंबित है उनके निस्तारण हेतु संबंधित विभाग से समन्वय करते हुए अनुस्मारक पत्र भेजें। उन्होंने उपस्थित समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके विभाग से संबंधित जो शिकायतें प्राप्त हो रही है उसका निस्तारण करते हुए आख्या जिलाधिकारी को प्रेषित करते हुए संबंधित शिकायतकर्ता को भी निस्तारण की सूचना से अवगत करा दिया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों को बिना कारण लंबित रखने को गंभीरता से लिया जाएगा। साथ ही निर्देशित किया कि अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि उनके विभाग से संबंधित प्राप्त शिकायतें लंबित न रहे अपने स्तर पर भी इसकी समीक्षा करें।

जनसुनवाई में अधिकतर शिकायतें भूमि विवाद, अतिक्रमण, कब्जा आदि से संबंधित प्राप्त हुई इसके अतिरिक्त वोटर लिस्ट में नाम जोड़े जाने, विद्युत तार हटाने, प्रॉपर्टी डीलर द्वारा अपने लाभ के लिए अन्य प्लॉट पर विद्युत पोल लगवाने, दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त नहर की मरम्मत करवाने, शस्त्र लाईसेंस दिलवाने, प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत निर्मित भवन की भूमि पर स्वामित्व दिलवाने, रेन्जर्स ग्राउण्ड में चल रहे सन्डे मार्केट में कुछ लोगों द्वारा अवैध वसूली कर सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचाने आदि शिकायतें प्राप्त हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न मामलों, आपसी भूमि विवाद, अतिक्रमण की शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को मौका मुआवना कर वस्तु स्थिति से अवगत होते हुए शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस.के बरनवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, अपर मुख्य नगर अधिकारी नगर निगम जगदीश लाल, नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चैहान, पुलिस अधीक्षक क्राईम मिथिलेश, उप जिलाधिकारी ऋषिकेश नन्दन कुमार, प्रशिक्षू आईएस वरूणा, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण आरसी तिवारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 मनोज कुमार उप्रेती, जिला पूर्ति अधिकारी विपिन कुमार, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास अधिकारी अखिलेश मिश्रा, जिला समाज कल्याण अधिकारी गोवर्धन सहित लोनिवि, पीएमजीएसवाई, जल संस्थान, पेयजल निगम, विद्युत, एमडीडीए सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस साल उत्तराखंड के लिए कोई सफेद क्रिसमस नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्रिसमस मनाने के लिए उत्तराखंड आने वालों के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने भविष्यवाणी की है कि अगले 10 दिनों तक नैनीताल, मसूरी, औली और मुंशियारी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर बर्फबारी नहीं होगी। पहाड़ियों के व्यवसायी भी निराश हुए हैं, और पर्यटकों को लुभाने के लिए 'बर्फ' के बजाय 'सनशाइन' और 'विंटर लाइन' का विज्ञापन करने लगे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इस साल अब तक सर्दी तुलनात्मक रूप से गर्म है, राज्य भर में अभी तक बारिश नहीं हुई है। पूरे उत्तराखंड में शून्य बारिश के साथ, तापमान सामान्य मान से दो से चार डिग्री अधिक है।र 7 दिसंबर को मसूरी में अधिकतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस था जो सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक था। न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस था, जो सामान्य तापमान 4.3 डिग्री सेल्सियस के दोगुने से अधिक था।नैनीताल में अधिकतम तापमान 15 डिग्री और न्यूनतम 8.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से तीन से चार डिग्री अधिक है। औली, जिसे उत्तराखंड का शीतकालीन खेल स्थल भी कहा जाता है, में अधिकतम तापमान 13.3 डिग्री, जबकि न्यूनतम 5.6 डिग्री दर्ज किया गया।टैगलाइन बदली जा रही हैक्रिसमस तक हिल स्टेशनों में बर्फबारी नहीं होने से - ऐसा परिदृश्य जो नए साल के दिन तक जारी रह सकता है - पर्यटन उद्योग, जो राज्य की आर्थिक रीढ़ है, आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखे तरीकों पर विचार कर रहा है।उत्तराखंड होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप सहनी ने कहा कि राज्य का होटल उद्योग अब पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए 'स्नोफॉल' का विज्ञापन नहीं कर रहा है। "हमने अतीत में भी क्रिसमस और नए साल के दिन कोई बर्फबारी नहीं देखी है। लेकिन जैसा कि मैदानी इलाकों में पहले से ही कोहरा दिखना शुरू हो गया है और इसलिए धूप की कमी है, हम पर्यटकों को पहाड़ियों में पर्याप्त धूप पाने के लिए अब उत्तराखंड की यात्रा करने के लिए बुलाना चाहेंगे।मसूरी में होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि विंटर-लाइन कार्निवल और खेल गतिविधियां अन्य चीजें हैं जो पर्यटन उद्योग अब क्रिसमस और नए साल की छुट्टियां बिताने के लिए पहाड़ों पर आने के इच्छुक लोगों को प्रदान करता है।

उत्तराखंड के कई घरों में पसरा मातम, तीन हादसों में चार की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड सोमवार को कई हादसों से दहल उठा। कोटद्वार, जोशीमठ और विकासनगर में अलग-अलग हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा रविवार देर रात कोटद्वार के नैनीडांडा प्रखंड अंतर्गत हुआ.जहां नैनीडांडा से रामनगर की ओर जा रहा ट्रक शंकरपुर के पास 200 मीटर नीचे खाई में गिर गया। हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

ट्रक में कोई और नहीं था। इस सूचना पर तत्काल धूमाकोट थाने से पुलिस व एसडीआरएफ की टीम मौके पर राहत एवं बचाव कार्य के लिए रवाना हो गई.चालक नैनीडांडा में सामान छोड़कर घर लौट रहा थाधूमाकोट थाना प्रभारी दीपक पवार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक का नंबर यूके 19 सीए 0743 (टाटा 407) है. जिसे उमेश उर्फ बंटी पुत्र मनमोहन निवासी ग्राम कंडानाला (रिखणीखाल), जिला पौड़ी गढ़वाल (वर्तमान पता ग्राम पीरुमदरा, थाना रामनगर, जिला नैनीताल) द्वारा चलाया जा रहा था. वह नैनीडांडा में अपना सामान उतारकर घर लौट रहा था। इसी दौरान शंकरपुर के पास ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया।जोशीमठ के तपोवन रैनी मोटर मार्ग पर बाइक और ट्रक की टक्करदूसरा हादसा चमोली जिले के जोशीमठ में तपोवन रैनी मोटर मार्ग पर हुआ.

यहां बाइक की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। इस टक्कर में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों की पहचान की जा रही है।यूटिलिटी ने नियंत्रण खो दिया और खाई में गिर गईतीसरा हादसा देहरादून जिले के विकासनगर के चकराता प्रखंड से जुड़े सीमांत किटरोली-ददुवा मोटर मार्ग पर लमनाधार के पास हुआ. यहां एक उपयोगिता अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में किटरोली निवासी दीनू पुत्र चेतू (23) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चालक रमेश ने कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई।घटना की सूचना पर राजस्व उपनिरीक्षक देवेंद्र रावत पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव को खाई से बाहर निकाला. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए विकासनगर ले गई।करीब 500 मीटर नीचे खड़ी ढलान वाली खाई में पलटा वाहन के परखच्चे उड़ गए। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

ऋषिकेश में एमडीडीए निर्माण कार्यों का मंत्री प्रेमचंद ने किया शिलान्यास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 20 दिसम्बर , कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने विधानसभा ऋषिकेश के अर्न्तगत मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण द्वारा किये जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यो का शिलान्यास किया।

मंत्री डॉ अग्रवाल ने शिलान्यास करते हुए बताया कि आवास विकास कॉलोनी लेन नं० 4 और 6 में गुलाब वाटिका हाउस आर.के. अरोडा के घर तक सांई कुटीर से हाउस नं० 940 हाउस नं० 773 से हाउस नं० 782 तक सीसी मार्ग का निर्माण होगा, जो 17.36 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। डॉ अग्रवाल ने बताया कि गुमानीवाला हरिधाम कॉलोनी में 9.50 लाख रुपए की लागत से लेन नं० 4 ब्रांच रोड से लेन नंबर 1 तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य किया जाएगा। डॉ अग्रवाल ने बताया कि 13.75 लाख रुपए की लागत से ऋषिलोक कालोनी में तरुण डिंगरा के घर से पावा हाऊस, कलम- सिंह के घर गुरु कृपा

आवास, डेयरी शॉप से आम बाग डामरीकरण कार्य किया जाएगा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष दिनेश सती, प्रदेश संयोजक नमामि गंगे कपिल गुप्ता, रविन्द्र बिरला, संजय कौशिक, माधवी गुप्ता, राधे जाटव, जयंत शर्मा, स्वाति शर्मा, गोपाल सती, विभागीय कनिष्ठ अभियन्ता मनवीर पंवार, ओमकार नेगी आदि उपस्थित रहे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधम सिंह नगर के निर्देशन में दिनेशपुर पुलिस द्वारा वाहन चोर गैंग का खुलासा

यूएसनगर , 20 दिसम्बर , बीते दिनों शिकायतकर्ता लवप्रीत सिंह ने ई-एफ0आई0आर0 बाबत मोटर साईकिल रजि0 नम्बर UK 06 AK-6555 हीरो होण्डा स्पलैण्डर थाना दिनेशपुर क्षेत्रान्तर्गत अष्टभुजा मन्दिर के पास जयनगर से चोरी हो जाने के सम्बन्ध में थाना हाजा पर ई-एफ0आई0आर0 नम्बर 204 / 2022 धारा 379 भादवि बनाम अज्ञात पंजीकृत की गयी, इस अभियोग की विवेचना उ0नि0 नवीन जोशी के सुपुर्द हुई। वाहन चोरी सम्बन्धी उक्त अपराध की गम्भीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद उधमसिंहनगर द्वारा तत्काल पुलिस टीम गठित कर अभियोग का अनावरण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया जिसके अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर रूद्रपुर एवं क्षेत्राधिकारी पंतनगर के निर्देशन में तत्काल थाना स्तर पर पुलिस टीम का गठन किया गया, उक्त पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चैक की गयी, थानाक्षेत्र में पूर्व में वाहन चोरी की घटनाओं में जेल गये अभियुक्तों की सूची बनाकर सभी का भौतिक सत्यापन किया गया साथ ही मुखबिरों को भी अलर्ट कर खोजबीन प्रारम्भ की गयी पुलिस टीम के प्रभावी प्रयासों के बाद अभियुक्त गण 1-विजय विश्वास पुत्र सुरेन्द्र विश्वास निवासी वार्ड नं0-03 चन्दनगढ थाना दिनेशपुर जनपद उधमसिंहनगर उम्र 19 वर्ष, 2-जय सिंह पुत्र प्रीतम सिंह निवासी रम्पुरा मीरगंज तहसील मीरगंज बरेली उ0प्र0, हाल निवासी ट्रांजिट कैम्प उ0सि0नगर उम्र 20 वर्ष, 3-मलकीत सिंह पुत्र सौदागर सिंह निवासी दुर्गापुर नं0-02 बुजसौरा थाना दिनेशपुर जनपद उधमसिंहनगर, उम्र 32 वर्ष को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से उक्त अभियोग से सम्बन्धित मोटर साईकिल हीरो स्पलैण्डर चैसिस नम्बर MBLHA10BWGHE70127 बरामद की गयी, उक्त गिरफ्तार अभियुक्तगण में से अभियुक्त मलकीत जो वांछित अभियुक्त था जिस की गिरफ्तारी पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद उधमसिंहनगर द्वारा 15,000/- का ईनाम घोषित किया गया था, उक्त अभियुक्तगण से की गयी सघन पूछताछ के उपरान्त प्रकाश में आये अन्य अभियुक्त की निशानदेही पर के पास गये तो अभियुक्तगण द्वारा बताया गया कि झाडियों में इनके द्वारा विभिन्न स्थानो से चोरी की गयी मोटर साईकिले रखी गयी है, जिस पर आगे चलकर बांस की झाडी से 17 मोटर साईकिले बरामद की गयी जो विभिन्न कम्पनियों की है, उक्त मोटर साईकिलों के सम्बन्ध में तथा अभियुक्तगण के आपराधिक इतिहास के सम्बन्ध में जानकारी की जा रही है। थाना दिनेशपुर पुलिस की उक्त कार्यवाही से अन्तर्जनपदीय दुपहिया वाहन चोर गैंग का पर्दाफाश हुआ जिससे भारी संख्या में चोरी के वाहनों की बरामगदी हुई है उक्त कार्यवाही से आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास में वृद्धि हुई है जिसकी आमजन द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की गयी है।